COURSE :- BACHELOR OF LIBRARY AND INFORMATION SCIENCE (BLIS)

PAPER :- 3RD

TOPIC :- STEPS IN CLASSIFICATION (वर्गीकरण के चरण)

उद्देश्य :- इस पाठ का उद्देश्य पुस्तकालय वर्गीकरण के विभिन्न चरणों को समझना है ।

PREPARED BY :- DINESH SINGH, CHIEF COORDINATOR, LIBRARY SCIENCE, NOU

वर्गीकरण के चरण

(Steps in Classification)

1. भूमिका (Introducion)
2. वर्गीकरण के नौ चरण (Nine Steps in Classification)

1. भूमिका (Introduction)

वर्गीकरण के द्वारा पाठ्य-सामग्रियों में संग्रहित विशिष्ट विषयों को कृत्रिम भाषा में अनुवाद किया जाता है। ग्रंथालय-वर्गीकरण के क्षेत्र में मेल्विल ड्यूई (Melwil Dewey) सेयर्स (Sayers), ब्लिस (Bliss) एवं भारतीय पुस्तकालयीन विज्ञानवेत्ता डॉ. रंगनाथन का महत्त्वपूर्ण स्थान है। डॉ. रंगनाथन ने अपने पूर्व के समस्त ग्रंथालय-विज्ञानवेत्ताओं द्वारा प्रतिपादित सिद्धांतों का गहन अध्ययन किया, और अपनी विलक्षण बुद्धि से उन सिद्धांतों को वैज्ञानिक आधार प्रदान किया है। उन्होंने Prolegomena to Library Classification में वर्गीकरण के नियमों, सूत्रों, उपसूत्रों (canons) एवं नियामक सिद्धांतों का प्रतिपादन किया है, जिनके आधार पर किसी भी वर्गीकरण पद्धति के गुण एवं दोषों का निर्धारण किया जा सकता है।

वर्गीकरण प्रकिया निम्न तीन धरातलों पर सम्पन्न होती है :

1. विचार धरातल (Idea Plane)
2. शाब्दिक धरातल (Verbal Plane)
3. अंकन धरातल (Notational Plane)

विचार धरातल पर विषय का विश्लेषण किया जाता है, शाब्दिक धरातल पर मूल विषय की पहचान की जाती है, और उसे एकल पदों (Isolate terms) एवं उन पदों को पुनर्व्यवस्थित (Re-arrange) किया जाता है। अंकन धरातल पर मूल विषय और उसके समस्त एकल पदों को जिन्हें शाब्दिक धरातल पर निर्धारण किया जा चुका है, उन्हें अंकन (Notation) के रूप में अनुवाद (Translate) किया जाता है और उन पदों को उपर्युक्त अंकन की सहायता से संश्लेषण (Synthesis) किया जाता है।

डॉ. रंगनाथन ने नये वर्गकार (Classifier) हेतु वर्गीकरण के 9 चरणों (Nine steps) का निर्धारण किया है, जिनकी सहायता से वर्गीकरण-क्रिया के सम्पादन में त्रुटियों की कम संभावना रहती है। ये विभिन्न चरण वर्गकार के कार्यों को इतना सरल एवं सुगम बना देता है कि एक सामान्य वर्गकार भी इन चरणों (steps) की सहायता से कठिन से कठिन विषय को बिना किसी त्रुटि के वर्गीकृत कर सकता है।

Scanned with CamScanner

2. वर्गीकरण के 9 चरण —ये 9 चरण निम्नलिखित हैं, जिनकी सहायता से एक वर्गकार (Classifier) के लिए शाब्दिक धरातल से विचार धरातल एवं विचार धरातल से अंकन धरातल तक पहुँचने में सुविधा होती है।

0.	चरण मूल शीर्षक	Step 0	Raw Title
1.	चरण पूर्ण शीर्षक	Step 1	Full Title
2.	चरण बीज शीर्षक	Step 2	Kernel Title
3.	चरण विश्लेषित शीर्षक	Step 3	Analysed Title
4.	चरण रूपांतरित शीर्षक	Step 4	Transformed Title
5.	चरण प्रामाणिक शब्दों में शीर्षक	Step 5	Title in Standard terms
6.	चरण संकेंद्रीय संख्या में शीर्षक	Step 6	Title in Focal Number
7.	चरण संश्लेषित संख्या में शीर्षक	Step 7	Title in Class Number or Synthesised Number
8.	चरण अंक प्रति अंक व्याख्या	Step 8	Digit by Digit Interpretation

0. चरण मूल शीर्षक (Step 0 Raw Title) –

प्रलेख के वास्तविक शीर्षक अर्थात वह शीर्षक जो कि ग्रंथ में दिया गया है। अनेक ग्रंथों के शीर्षक ही उनके विषय की ओर संकेत कर देता है। दूसरे शब्दों में, ग्रंथ के शीर्षक से ही ग्रंथ के विषय का ज्ञान हो जाता है, जैसे—Physical Chemistry इस शीर्षक से ही यह ज्ञात हो जाता है कि इस पुस्तक का विषय रसायन विज्ञान है। ऐसे ग्रंथ जिनके शीर्षक के नाम से विषय स्पष्ट नहीं हो पाता है तो ऐसी स्थिति में उसमें नीहित पक्षों का संकेंद्रों (Focus) की सहायता से उसके विषय का निर्धारण किया जा सकता है—A Text Book of Eye Surgery इस ग्रंथ के शीर्षक में आये दो पदों Eye एवं Surgery के आधार पर इसका मूल विषय चिकित्सा विज्ञान (Medical Science) निर्धारित किया जाता है। यद्यपि मूल शीर्षक के आधार पर विषय के निर्धारण का प्रयास हो रहा है, फिर भी सिद्धांत रूप में इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता है; क्योंकि अनेकों ग्रंथों के मूल शीर्षक से विषय निर्धारण में भ्रामक स्थिति पैदा हो जाती है जैसे— Asian Drama यद्यपि मूल विषय अर्थशास्त्र (Economics) से संबंधित है, जबकि इस शीर्षक से यह ग्रंथ साहित्य (Literature) से संबंधित लगती है।

1. चरण पूर्ण शीर्षक (Step 1 Full Title)

यह ग्रंथ अथवा प्रलेख का अभिव्यंजक (expressive) शीर्षक होता है। जैसा कि ऊपर उल्लेख किया जा चुका है कि मूल शीर्षक पूर्ण रूप से अभिव्यंजक नहीं होता है, जिससे कि उसके मूल विषय अभिव्यक्त हो, उसमें कुछ एकल पद (Isolate term) लुप्त (missing) रहते हैं, ऐसी परिस्थिति में मूल शीर्षक (Raw Title) में लुप्त पदों को व्यक्त कर अभिव्यंजक शीर्षक (Expressive Title) के रूप में परिवर्तित (transformed) किया जाता है।

पूर्ण शीर्षक में कुछ ऐसे अतिरिक्त शब्द भी आ जाते हैं, जिनका प्रयोग मूल शीर्षक में किया जाता है जैसे— A Text Book of Eye Surgery शीर्षक में text book अतिरिक्त शब्द है। अगले चरण में इन अतिरिक्त शब्दों को शीर्षक से अलग कर दिया जाता है और पूर्ण शीर्षक के

Scanned with CamScanner

रूप में व्यक्त करने के लिए इसमें मुख्य विषय Medical Science जोड़ दिया जाता है। जैसे : A Text of Eye Disease Surgery (Medical Science).

2. चरण बीज शीर्षक (Step 2 Kernel Title)

इस चरण में पूर्ण शीर्षक में सम्मिलित समस्त गौण एवं अतिरिक्त शब्दों को निकाल दिया जाता है, उदाहरणार्थ-विभक्तियाँ (Prepositions), समुच्च बोधक (Conjunctions) एवं आरटिकल (Articles) को हटा दिया जाता है, सिर्फ बीज पद (Kernel term) को ही रखा जाता है, जैसे : उपरोक्त उदाहरण के आधार पर बीज शीर्षक होगा Eye Disease Surgery (Medical Science) इस शीर्षक में Article-'A', Preposition- 'of' एवं गौण शब्द 'Text Book' को हटा दिया गया है।

3. चरण विश्लेषित शीर्षक (Step 3 Analysed Title)

इस चरण में बीज शीर्षक से लिए गए प्रत्येक बीज शब्द को पाँच मूलभूत श्रेणियों के आधार पर पहचान की जाती है कि कौन बीज शब्द मूलभूत श्रेणियों के किस श्रेणी का प्रतिनिधित्व करता है, इसके बाद जो बीज शब्द जिस मूलभूत श्रेणी (Fundamental Category) का प्रतिनिधित्व करता है उसका योजक-चिह्न (Connecting Symbol) लगा दिया जाता है, जैसे-Eye [P]; Disease [E]; Surgery [2E]; Medical Science [Main Class] है।

4. चरण रूपांतरित शीर्षक (Step 4 Transformed Title)

इस चरण में विश्लेपित शीर्षक से लिया गया शीर्षक को, बीज शब्दों के क्रम को निर्धारित करने वाले नियमों एवं अभिधारणाओं (postutates) के आधार पर बीज शब्द को पुनर्व्यवस्थित (re-arrange) किया जाता है, और उनके योजक चिह्नों (Connecting Symbols) को यथास्थान लगा रहने दिया जाता है। अर्थात इस चरण में समस्त बीज पदों (Kernel term) को उनके क्रमशः संबंधित योजक-चिह्नों के साथ पक्ष परिसूत्र (Facet formula) के अनुसार पुनर्व्यवस्थित (re-arrange) किया जाता है, जैसे— Medical Science [MC] Eye [P] Disease [E] Surgery [2E]

5. चरण प्रामाणिक शब्दों में शीर्षक (Step 5 Title in Standard Terms)

इस चरण में बीज पदों में आये शब्दों के स्थान पर वर्गीकरण पद्धति की सूची में दिये गये प्रामाणिक शब्दों को रखा जाता है जैसे—Physiology of Birds Zoology [MC] Birds [P] Physiology [E] इस शीर्षक में बीज शब्द Birds हेतु CC के मुख्य विषय Zoology के Personality पक्ष में Aves शब्द का प्रयोग किया गया है। अतः इस ग्रंथ का प्रामाणिक शब्दों में शीर्षक होगा-

Zoology [MC] Aves [P] Physiology [E].

6. चरण संकेंद्रीय संख्या में शीर्षक (Step 6 Title in Focal Number)

इस चरण में प्रामाणिक शब्दों में शीर्षक के अंतर्गत आये पदों (Terms) को उनके मूल विषय अंक (Basic Class Number) या एकल अंक (Isolate Number) में परिवर्तित कर दिया

Scanned with CamScanner

जाता है जैसे— उपरोक्त शीर्षक का संकेंद्रीय संख्या (Focal Number) में K (MC) 96 [P] 3 [E].

7. चरण संश्लेषित संख्या में शीर्षक (Step 7 Title in Class Number or Synthesised Number)

इस चरण में प्रत्येक संकेंद्रीय संख्या को उपयुक्त योजक चिह्नों के साथ परिसूत्र (Facet formula) के अनुसार व्यवस्थित (arrange) कर दिया जाता है। जैसे— उपरोक्त उदाहरण के अनुसार K (MC) 96 (P) 3 (E) को वर्गसंख्या के अनुसार व्यवस्थित करने पर वर्गांक होगा K 96 : 3

8. चरण अंक प्रति अंक व्याख्या (Step 8 Digit by Digit Interpretation)

इस चरण में वर्गांक (Class Number) को उसके पक्षों में विश्लेपित किया जाता है तथा प्रत्येक पक्ष का नाम दिया जाता है, इसके बाद प्रत्येक अंक को शाब्दिक धरातल पर अभिव्यक्त किया जाता है, वर्गांक का अन्तिम प्रतिपादन ग्रंथ के पूर्ण शीर्षक के समकक्ष होता है, जैसे—

K 96 : 3 यहाँ K = Zoology (MC)

K 96 = Zoology (MC), Aves (P)

K 96 : 3 = Zoology (MC), Aves (P), : Physiology (E)

अर्थात् K 96 : 3 = Physiology of Birds (Aves)

डॉ. रंगनाथन द्वारा प्रतिपादित वर्गीकरण के 9 चरणों से वर्गकार (Classifier) को वर्गीकरण की प्रक्रिया को सीखने के समय अत्यंत ही लाभ होता है। इन चरणों का प्रयोग वैसे वर्गकार के लिए जरूरी नहीं है जो कि किसी ग्रंथालय में पहले से वर्गीकरण कार्य में संलग्न हैं; क्योंकि वास्तविक धरातल पर किसी भी ग्रंथालय में वर्गकार को इन विभिन्न चरणों से गुजरने की आवश्यकता महसूस नहीं होती है क्योंकि व्यावहारिक रूप में किसी भी वर्गकार (Classifier) को किसी ग्रंथालय में वर्गीकरण के समय इन चरणों को लिखित रूप में अभिव्यक्त करने की जरूरत महसूस नहीं होती है। सिर्फ वैश्लेषी संश्लेषणात्मक वर्गीकरण (Analytico Synthetic Scheme) के प्रयोग सीखने वाले शिक्षार्थियों के लिए ही इन चरणों से लाभ होता है। इन विभिन्न चरणों को निम्न एक ही उदाहरण से स्पष्ट किया जा सकता है।

Exp. Treatment of Lungs Cancer

Step O Raw Title : Treatment of lungs cancer

Step 1 Full Title : Treatment of the disease of the lungs caused by cancer in Medicine

Step 2 Kernel Title : Treatment, Disease, lung, cancer, Medicine

Step 3 Analysed Title : Treatment [2E], Disease [E] , lung [P], Cancer [2P], Medicine [MC].

Step 4 Transformed Title : Medicine [MC], Lung [P], Disease [E], Carcinoma [2P], Treatment [2E]

Scanned with CamScanner

Step 5 Title in Standard Terms : Medicine [MC], Lung [P] Disease [E, Carcinoma [2P], Therapeutics [2E]

Step 6 Title in Focal Number :
L [MC], Lung 45 [P], 4 [E], 7257 [2P], 6 [2E]

Step 7 Class Number : L 45 : 47257 : 6

Step 8 Digit by Digit Interpretation :

L = Medicine [MC]

L 45 = Medicine [MC], Lungs [P]

L 45 : 4 = Medicine [MC], Lung [P], Disease [E]

L 45 : 47257 = Medicine [MC], Lung [P], Disease [E], Carcinoma [2P]

L 45 : 47257 : 6 = Medicine [MC], Lung [P], Disease [E], Carcinoma [2P], Therapeutics [2E]

Scanned with CamScanner